

17.6.16

पत्रवली दादा राजलाल लोह अदालत
 में मंगल रावोली में पेश आई। अपीलान्त
 व रेलको हॉ 1 है 10 व 12 उपस्थित।
 रेलको हॉ 11 अनु। पत्र अदालत
 में अपीलान्त व रेलको हॉ 1 है 10
 में राजीनामा लिख कर पेश किया
 तथा निवेदन किया कि अपील में
 चाहे अनुदात नॉ हॉ 831 दिनांक
 14.11.77 को वापस कर दुरस्ती
 कर दी जावे। पत्रवली का प्रत्येक
 किया। अपीलान्त का क्या है कि
 शांति शिष्ट द्वारा नॉ हॉ 831
 दिनांक 14.11.77 विद्वत् पत्र के आधार
 पर भरा गया है विद्वत् नॉ हॉ 831
 में दूरी लाने के दो विद्वत् पत्र
 अपीलान्त के पिता लक्ष्मण लुका
 ने कभी भी भुक्त नॉ हॉ 1 है 3 के पत्र
 में तस्वीर नहीं करवाया। नॉ हॉ हॉ
 831 में नॉ हॉ 80 पत्र हॉ 322 व 328
 अंकित किया गया है उक्त विद्वत् पत्र
 का जलन इन्डान कर नॉ हॉ हॉ 10
 स्वीकार कर दिया गया जिसे वापस
 किया जावे। पत्रवली का प्रत्येक
 किया व उल्लुत राजीनामा के अनुदात
 अपीलान्त व रेलको हॉ 1 है 10 ने
 अपील में वापस लाने के अनुदात
 राजलाल रेवडी में दुरस्ती वाकत निवेदन
 किया है अतः लक्ष्मण लुका हॉ
 अनुदात होने पर अपील अपीलान्त
 स्वीकार करी जावे चाहे पंचायत

(Signature)

श्रीमती
 श्रीशरम
 श्रीमती

(Fingerprint)

(Fingerprint)

निवेदन

श्री शशि

का अर्थ

11.11.77

पत्रवली

(Signature)

पत्रवली

(केल)

गोकुल देवी

सं. सं. पंचायत शिष्ट
 पं. सं. पिपराजी जि. सीकर

शिक्षण द्वारा स्विकार दिये जाये ना 10 को
821 दिनांक 14.11.77 को तारिक दिना
जाता है तथा तहसीलदार दोतारमगढ़
को निर्देश दिये जाते हैं कि हनुमान धु
अथवा के विधिवत कारिसों व विडपत्र
की पुनः जांच कर नियमानुसार नामान्तरण
दर्ज करें। पालना हेतु तहसीलदार, दोतारमगढ़
को तहरीर जारी हो। पत्रवाली फौज ही
तहसीलदार के P.H.B शाखा परामर्श
कर एहन प्रकृत प्रमाण पत्र प्राप्त होने
के पश्चात पुनः जांच कर नामान्तरण
दर्ज करें। पत्रवाली फौज धुपार होकर
जानकर है कम हो।

उपखण्ड अधिकारी
दोतारमगढ़